

बहस पूरी होने के अधिकतम एक माह के अंदर निर्णय सुना देना चाहिए। इसके अतिरिक्त बकाया मामलों को निपटाने के लिए सेवा निवृत्त जजों की नियुक्ति की भी सिफारिशें की गई थी तथा ग्रामीण स्तर पर पंचायतों द्वारा न्याय व्यवस्था को नए ढंग से संगठित कर के पूरजोर किन्तु पुनर्जीवित किया जाए। इस तरह जो सुभाव दिए गए हैं उनको असली रूप दिया जाना चाहिए। हमारा यह कर्तव्य होता है कि इस जटिल न्याय व्यवस्था में आमूल परिवर्तन कर के न्याय को आम आदमी के दरवाजे तक पहुंचा दें।

(iv) Need to set up a Hydrological observation and Flood forecasting Circle Office at Bhubaneswar

SHRI LAKSHMAN MALLICK (Jagat-singhpur) : The purpose of the Central Water Commission is to make hydrological observations and to operate flood forecasting system of big rivers in the country. To undertake the above work for the rivers of Orissa, there are three divisions, namely, Central Flood Forecasting division, Bhubaneswar, Eastern Gauging division, Bhubaneswar and Hydrological observation Water resources and Flood Forecasting division, Burla for rivers Sabarnarekha, Burabalang, Brahmani and Vanasadhara, Rushikulyon and Mahanadi respectively.

All these three divisions are under the administrative control of the Hydrological Observation and Flood Forecasting Circle, Hyderabad. There are three divisions, namely, Godavari gauging, Krishna gauging and Krishna flood forecasting Divisions functioning at Hyderabad. For the efficient working of these Divisions, two circle offices of Central Water Commission have been opened at Hyderabad whereas no circle office has been located in Orissa. The need of opening of one such circle office in Orissa is felt for the following reasons :—

1. Since the circle office of the three divisions of Orissa is situated at Hyderabad, technical and administrative difficulties are experienced by the Divisional authorities and staff;
2. Employment opportunities are not available to local youths; and
3. Orissa's is not properly served by way of intensive and efficient operational activities.

As such, I demand that a separate Hydrological Observation and Flood Forecasting Circle of Central Water Commission should be set up for Orissa at Bhubaneswar Forthwith.

(v) Need for revision of excise duty on new cork and on finished cork goods to promote cork industry

श्री मनोरान बागड़ी (हिसार) : हमारे देश में कार्क फैक्टरीयां आज तीस साल से चल रही हैं। इसमें दो बड़ी तथा लगभग बीस छोटी (स्माल स्केल) फैक्टरीयां चल रही हैं जिससे कई हजार आदमियों की रोजी चलती है। आज हमारे देश में जितनी भी होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक तथा एलोपैथिक दवाईयां बनाने वाले हैं, कार, मोटर, ट्रक तथा स्कूटर के इंजिन में और ट्रैक्टर ट्रांसफारमर आदि कई और फैक्टरी वाले कार्क के ऊपर निर्भर हैं। इसके बिना उनका काम नहीं चल सकता। कार्क का कच्चा माल विदेश से आता है। अगर कच्चा माल मंगवाया जाए तो लगभग एक करोड़ रुपये खर्च होते हैं, परन्तु अगर बना हुआ माल मंगवाया जाए, तो तकरीबन तीन करोड़ रुपए का फारेन एक्सचेंज खर्च होता है।

दो साल हुए कार्क के ऊपर सब कर मिलाकर 58 परसेंट पड़ता था। 1982 में यह कर बढ़ गया तथा 99 परसेंट हो गया।